भारत सरकार

आवासन और शहरी कार्य मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 2326

13 मार्च, 2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

ग्रीन मेट्रो सिस्टम

2326. श्री दुलू महतोः
श्री प्रदीप कुमार सिंहः
श्री योगेन्द्र चांदोलियाः
श्री लुम्बाराम चौधरीः
श्री जसवंतसिंह सुमनभाई भाभोरः
श्री बसवराज बोम्मईः
श्री दिलीप शइकीयाः
श्री त्रिवेन्द्र सिंह रावतः
श्री खगेन मुर्मुः
श्री बलभद्र माझीः
डॉ. हेमंत विष्णु सवराः
श्रीमती अपराजिता सारंगीः
श्रीमती शोभनाबेन महेन्द्रसिंह बारैयाः
श्री रवीन्द्र शुक्ला उर्फ रवि किशनः
श्री बिप्लब कुमार देब
श्री मनोज तिवारीः
श्री अनिल फिरोजियाः

क्या **आवासन और शहरी कार्य** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या सरकार का नवीकरणीय ऊर्जा को बढ़ावा देने के लिए दिल्ली के अलावा देश भर में मेट्रो नेटवर्क में वर्टिकल बाइफेशियल सौर संयंत्रों और छतों पर सौर ऊर्जा प्रणालियों की संस्थापना का विस्तार करने का विचार है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;

(ख) सरकार किस तरह से ग्रीन मेट्रो सिस्टम को 2070 तक भारत के व्यापक निवल-शून्य उत्सर्जन लक्ष्य के साथ एकीकृत करने की योजना बना रही है;

(ग) मेट्रो निगमों द्वारा ऊर्जा-कुशल प्रौद्योगिकियों को अपनाने और देश भर में पर्यावरण अनुकूल भवन प्रमाणन प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करने हेतु शुरू की जा रही विशिष्ट नीतियों और प्रोत्साहन योजनाओं का ब्यौरा क्या है;

(घ) ग्रीन मेट्रो सिस्टम के पहलों के वित्तपोषण और उनके कार्यान्वयन में निजी क्षेत्र की क्या भूमिका है; और

(ङ) क्या किन्हीं सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल की खोज/विचार किया जा रहा है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है?

उत्तर

आवासन और शहरी कार्य राज्य मंत्री

(श्री तोखन साहू)

(क): देश भर में विभिन्न मेट्रो नेटवर्क में 88 एमडब्ल्यूपी से अधिक क्षमता के रूफटॉप सोलर प्लांट लगाए गए हैं। इसके अलावा, दिल्ली मेट्रो रेल कॉरपोरेशन (डीएमआरसी) ने अपने वायडक्ट् पर 50 किलोवाट के वर्टिकल बाइफेसियल सोलर पैनल लगाए हैं।

(ख) और (ग): भारत सरकार ने स्थायी गतिशीलता के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए मेट्रो रेल सहित सार्वजनिक परिवहन परियोजनाओं की व्यवस्थित आयोजना के लिए राष्ट्रीय शहरी परिवहन नीति, 2006 और मेट्रो रेल नीति, 2017 जारी की है। मेट्रो रेल प्रणाली को अत्याधुनिक ऊर्जा कुशल प्रौद्योगिकी के साथ कार्यान्वित किया गया है जिसमें रीजेनरेटिव ब्रेकिंग प्रणाली के साथ रोलिंग स्टॉक लगाना शामिल है। सोलर रुफ़टॉप प्रणाली के साथ-साथ ऐसी ऊर्जा कुशल प्रणालियाँ ऊर्जा की खपत को कम करेंगी और हरित ऊर्जा का दोहन करेंगी। ये कदम मेट्रो परियोजनाओं को कुशल, स्थायी और पर्यावरण के अनुकूल बनाने में महत्वपूर्ण योगदान देते हैं।

(घ) और (ङ): मेट्रो रेल प्रणाली में, रूफ़टॉप और भूमि पर स्थापित सोलर पैनलों की स्थापना आमतौर पर अक्षय ऊर्जा सेवा कंपनी (आरईएससीओ) मॉडल के तहत निजी भागीदारी के माध्यम से की जाती है, जिसमें सोलर पावर डेवलपर को इस संयंत्र से उत्पन्न ऊर्जा के लिए भुगतान किया जाता है।

*****